आज का पुरुषार्थ 15 June 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से चेक करना है हम बाबा को कितना रिगार्ड करते है, कितना उनके महावाक्य को सम्मान करते है "*

हम कितने भाग्यवान है, स्वयं भगवान **ब्रह्मलोक** से हमें पढ़ाने आते है। हमारे **परमपिता** हमारे परम **शिक्षक** बनते है। और परम **सदगुरू** बनते है। तो हमें उनका कितना रिगार्ड रखना चाहिए।

जिस भगवान की मूर्तियों को हम **भक्तिमार्ग** में रिगार्ड देते आये उनका हमें कितना रिगार्ड करना चाहिए जब वो हमारे सम्मुख आ गये है। जब वो हमारी जन्म जन्म की प्यास बुझाने आ गये है।

जन्म जन्म जिस अंधकार में हम डूबे हुए थे उन्होंने **आकर हमें उस अंधकार से बाहर कर दिये है।** हमें सत्य की खोज थी। क्या क्या नहीं करते थे सत्य को जानने के लिए।

जिसने हमारे सत्य के द्वार खोल दिए, **दिव्य विवेक प्रदान किये, सम्पूर्ण ज्ञान देकर त्रिकालदर्शी बना दिया।** चारों युगों में देखने की दृष्टि दे दी। हमारे आदि-मध्य-अंत की रोशनी प्रदान कर दी, ऐसे परम शिक्षक का हमें कितना रिगार्ड करना चाहिए।

और यह रिगार्ड है, उनकीं पढ़ाई से रिगार्ड। उनकी **मुरली** का सम्मान, उनकी **महावाक्य** पर सम्पूर्ण विश्वास। जो उन्होंने कह दिया वही परम सत्य है, तो उनको रिगार्ड देना ही है।

और यदि हम यह सोचते है .. " *बाबा ने ऐसा क्यों कहा* " .. तो यह उनकी डिसरिगार्ड है। तो इसका अर्थ है हम उनके ज्ञान को, उनकी शक्तियों को, उनके सत्यता को पहचानते ही नहीं।

हमें परम सतगुरु का भी रिगार्ड करना है। दुनिया में तो गुरूओं को सब कितना सम्मान करते है। चाहे डर से करे, चाहे इस इच्छा से करे कि गुरु हमारी सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर देंगे।

और यह तो वो गुरु है जो आते ही मुक्ति और जीवनमुक्ति को हमारे जन्मसिद्ध अधिकार बना देते है। जो आते ही वरदानों से हमारे श्रृंगार करने लगते है। जो हमें अपनी समस्त शक्तियाँ प्रदान करते है। जो अपने लिए कुछ भी नहीं रखते। सब हमको दे देते है।

ऐसे परम **सदगुरू** का हमें कितना सम्मान करना चाहिए। और उनका सच्चा सम्मान ही है, उनकी आज्ञाओं पर चलना। यदि हम उनके महावाक्य सुनने ही नहीं जाते, तो हम उसे सम्मान कैसे कहेंगे? यदि हम सवेरे उठकर उनसे मिलन ही नहीं मनाते तो हम कैसे कहेंगे कि हम उनका बहुत सम्मान करते है?

यदि हम उनकी आज्ञाओं का पालन नहीं करते, वह आज्ञायें जो हमारे कल्याण के लिए है, जो हमें महान बनाने के लिए है, जो हमारे जीवन में **सुख शान्ति** और **सफलता** का द्वार खोलने वाली है, उन आज्ञाओं पर यदि हम नहीं चलते तो क्या हम अपने को उनका आज्ञाकारी कह सकेंगे?

तो आज से चेक करे कि ...

" भगवान के आने से पहले हम उनकी मुरली में पहुँच जाये .. यानी टीचर के आने से पहले पहुँच जाये "

...चाहे आप कितने भी बहानें करे, लेकिन जहाँ सम्मान है वहाँ बहाने काम नहीं करते।

हम उनके एक एक महावाक्य पर क़ुर्बान होने का संकल्प कर ले। कह दे बाबा को ....

" बाबा, जो आपने हमें कह दिया हम उसे विशों नाखूनों का जोर लगाकर पूर्ण करेंगे .. कोई भी शक्ति हमें उससे विचलित नहीं कर पायेगी "

यह है बाबा का रिगार्ड। और जो इस तरह बाबा का रिगार्ड करेंगे, बाबा उनपर अपनी दुयायें, आशीर्वाद और वरदान लुटा देंगे। इस बात को हम सब समझ सकते है, गुरु का जो बहुत सम्मान करते है वे गुरु का प्यार पाते है, उनकी दुयायें पाते है।

तो आज सारा दिन याद रखेंगे ...

" बाबा हमारा परमपिता, परम शिक्षक, और परम सतगुरु है .. हम ऐसे भाग्यवान है, जिनको पढ़ाने भगवान आये .. जिनके गुरु स्वयं भगवान बने .. जो अपना सबकुछ हमें देने आया "

और बाबा का पाँच बार कम-से-कम सारे दिन में आह्वान करेंगे, फ़ील करेंगे .... " उनका आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org